'A' GRADE BY NAAC & 'A' CATEGORY BY MHRD

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE

(DEEMED TO BE UNIVERSITY)

LADNUN - 341 306 (RAJASTHAN), INDIA

Ph.D. COURSE WORK END EXAMINATION : 2017 - 2018

PAPER-II : JAINOLOGY AND COMPARATIVE RELIGION & PHILOSOPHY

Time : 3.00 Hrs **MM : 70**

ROLL NO. : DATE OF EXAM :

(TO BE FILLED BY THE CANDIDATE)

Signature of Invigilator with Date

INSTRUCTIONS FOR THE CANDIDATE

1. **Before answering, the Candidate should write the Roll No. and Date of Examination in the space meant for it.**
   उत्तर लिखने से पूर्व परीक्षार्थी अपना रोल नम्बर तथा परीक्षा तिथि उचित स्थान पर लिखें।
2. **The candidate should not write his/her name or signature on the Question Paper.**
   परीक्षार्थी अपना नाम तथा हस्ताक्षर प्रश्न पत्र में किसी भी स्थान पर नहीं लिखें।
3. **No page should be detached from this Question Paper.**
   कोई भी कागज प्रश्न–पत्र से अलग नहीं किया जाये।
4. **The students have to answer in the space provided for it.**
   परीक्षार्थी उत्तर दिये गये उचित स्थान पर लिखें।
5. **Question Paper should be returned to the Invigilator.**
   प्रश्न–पत्र परिवेक्षक को परीक्षा होने के बाद वापिस लौटा दिया जाये।

FOR EXAMINER ONLY	MARKS OBTAINED									
	Section 'A'	Section 'B'						Section 'C'		TOTAL

Signature of Examiner

खण्ड – अ /SECTION - A

वस्तुनिष्ठ प्रश्न/ OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

Notes:1. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्न हल करने हैं / Attempt all objective type questions.

2. प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है / / Each question carries 1 mark.

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंक नहीं है /
No negative marks for wrong choice in objective type questions.

Q. 1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न/ OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

(i) भगवान ऋषभ के माता–पिता का नाम क्या था?
What was the name of Lord-Rishabh parents?
(A) सिद्धार्थ–त्रिशला/ Nabhi-Trishala
(B) नाभि–त्रिशला/ Nabhi-Trishala
(C) सिद्धार्थ–वामा/ Sidharth-Vama
(D) नाभि–मरूदेवा/ Nabhi=Marudeva ( )

(ii) प्रथम आगम वाचना हुई थी–
The first agam vachana was at -
(A) वल्लभी / Vallabhi
(B) वैशाली / Vaishali
(C) पाटलिपुत्र / Pataliputra
(D) नालन्दा / Nalanda ( )

(iii) पंचास्तिकाय ग्रंथ के लेखक कौन है?
Who is the author of the text 'Pancastikaya?
(A) उमास्वाति / Umaswati
(B) समन्तभद्र / Samantbhadra
(C) कुंदकुंद / Kundkund
(D) हेमचन्द्र / Hemchandra ( )

(iv) कौनसा ज्ञान अतीन्द्रिय नहीं है?
Which knowledge is not extra sensory perception?
(A) मतिज्ञान /Mati gyan
(B) अवधिज्ञान /Avadhi gyan
(C) मनः पर्यव ज्ञान /Manh Prayav gyan
(D) केवलज्ञान /Keval gyan ( )

(v) जैन दर्शन के अनुसार प्रमाण क्या है?/ What is Praman according to Jainism?

(A) ज्ञान/ Gyan

(B) दर्शन/ Darshan

(C) चारित्र / Caritra

(D) सभी तीनों/ All three ( )

(vi) न्याय दर्शन में कितने पदार्थ माने गये हैं?

How many 'Padartha' consider in Nyaya philosophy?

(A) बारह / Twelve

(B) सोलह / Sixteen

(C) अठारह / Eighteen

(D) पाँच / Five ( )

(vii) सांख्यकारिका के लेखक कौन हैं?

Who is the author of Sankya karika?

(A) ईश्वर कृष्ण / Ishvar Krishan

(B) कपिलदेव / Kapildeva

(C) महर्षि व्यास / Maharshi Vyas

(D) कोई नहीं / Not anyone ( )

(viii) 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ'। किसका कथन है?

'I think therefore I am'. Whose statement is this?

(A) प्लेटो / Plato

(B) डेकार्ट / Dekart

(C) आचार्य महाप्रज्ञ / Acharya Mahapragya

(D) विवेकानन्द / Vivekanand ( )

(ix) श्रवण बेलगोला में किसकी मूर्ति है–

Whose idol is in Sravanbelgola?

(A) महावीर स्वामी / Mahaveer Swami

(B) बाहुबलीजी / Bahubaliji

(C) शांतिनाथजी / Shantinathji

(D) धरणेन्द्र पदमावती / Dharnendr Padmavati ( )

(x) चार्वाक का सिद्धान्त है–

The principle of Charwak is -

(A) नित्यवाद / Nityavad

(B) अद्वेतवाद / Advetvad

(C) पंचभूतवाद / Pancbhutvad

(D) प्रतीत्यसमुत्पाद / Pratityasamutpad ( )

खण्ड – ब / SECTION - B

लघूत्तरात्मक प्रश्न / SHORT ANSWER TYPE QUESTIONS

Notes: *किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 'पांच' अंकों का है।*
Attampt any Six Questions. Each Question carries 'Five' marks.

Q. 2. भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालें।
Throw light on the life of Lord Mahaveer.

Q. 3. श्वेताम्बर–दिगम्बर परम्परा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a brief note on Swetambar and Digamber tradition.

Q. 4. अवधिज्ञान पर प्रकाश डालें।
Throw light on Avadhigyan.

Q. 5. जैन दर्शन के अनुसार प्रमिति का विवेचन करें।
Explain the concept of Pramiti according to Jain Philosophy.

Q. 6. प्लेटो के अनुसार आत्मा का विवेचन करें।
Explain the concept of Soul according to Plato.

Q. 7. वेदान्त दर्शन के अनुसार बंधन और मुक्ति की क्या प्रक्रिया है?
What is the process of bondage and libration according to Vedant Philosophy.

Q. 8. तत्वार्थ सूत्र की विषय वस्तु पर प्रकाश डालें।
Throw light on the subject metter of Tatvartha Sutra.

खण्ड – स / SECTION - C

निबन्धात्मक प्रश्न / ESSAY TYPE QUESTIONS

निर्देश : इस खण्ड में आन्तरिक विकल्प सहित दो प्रश्न हैं। दोनों अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

Notes: This section contains two questions with internal choice. All are compulsory. Each question carries 15 marks.

Q. 9. जैन दर्शन के अनुसार नव तत्त्वों का विवेचन करें।
Explain nine Tatvas according to Jain Philosophy.

अथवा /OR

जैन आगम साहित्य का विवेचन करें।
Explain the Jain Cannonical Litrature.

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Q. 10. लाइबनीज के चिदणुवाद का विवेचन करें।
Explain the Chidanuvad of Leibnitz.

अथवा / OR

काण्ट के नैतिक विचारों पर प्रकाश डालें। / Throw light on the ethical thoughts of Kant.